9th CMS vatavaran
International Film Festival and Forum on Environment & Wildlife
25-26 FEBRUARY 2021 | UTTARKASHI 2021
TRAVELLING

प्रेस विज्ञप्ति

प्रथम हरित फिल्म महोत्सव और संगोष्ठी का उत्तरकाशी में आज उद्घाटन हुआ

फ़रवरी 25,2021

जिला कलेक्ट्रेट सभागार, उत्तरकाशी में आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय ग्रीन फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन करते हुए, जिला मजिस्ट्रेट श्री मयूर दीक्षित ने UNDP और CMS VATAVARAN के SECURE हिमालय प्रोजेक्ट के आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने उपस्थित सभी छात्रों और शिक्षकों से इस फिल्म समारोह में पुरस्कृत पर्यावरण और वन्यजीव फिल्मों से सीखे गए विचारों और शिक्षा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने फिल्म समारोह में आये दर्शकों को याद दिलाया कि "उत्तरकाशी एकमात्र ऐसा जिला है जिसमें 80% से अधिक वन क्षेत्र है और वह भी नाजुक हिमालयी क्षेत्र में। इसलिए, इस धरोहर को संरक्षित और सुरक्षित रखने में मदद करना हमारी जिम्मेदारी है।"

यह अनूठा ग्रीन फिल्म फेस्टिवल और फोरम 25 फरवरी और 26 फरवरी, 2021 को आम जनता के लिए खुला होगा। UNDP के SECURE हिमालय परियोजना के **अंतर्गत**, उत्तराखंड सरकार और भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MOEFCC) के समर्थन से सीएमएस VATAVARAN द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

यह सीएमएस के 09 VATAVARAN ट्रैवलिंग फिल्म महोत्सव और संगोष्ठी का हिस्सा है, **जो** हिमालय श्रृंखला **मे बसे देश** के चार शहरों- उत्तरकाशी, गंगटोक, शिमला और लेह **में** आयोजित किया जा रहा है।

इस फिल्म महोत्सव और संगोष्ठी के **आयोजन** का **उद्देश्य** फिल्मों, **महोत्सवों** और मंचों **के माध्यम** से **पर्यावरण** संरक्षण के इस अनूठे हरित आंदोलन का समर्थन करना है और **साथ ही पर्यावरण** संरक्षण के **विभिन्न** हितधारकों **जैसे,** भारत सरकार, मीडिया, संरक्षण संगठनों, विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, निगमों, युवाओं और आम जनता तक पहुँचना और सुरक्षित हिमालय की पहल और कार्यक्रमों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करके **उन्हें जोड़ना** है।

उद्घाटन समारोह में फिल्म निर्माता श्री कृष्णेंदु बोस की पुरस्कृत **फिल्म "हीरोज ऑफ द वाइल्ड फ्रंटियर्स: द रिटर्न ऑफ द शान"** का **पहल सार्वजनिक प्रीमियर** किया गया। **यह फिल्म स्नो लेपर्ड और लेह में उनके अमित्र आवासों के बारे में है। उद्घाटन के बाद विभिन्न दर्शकवर्गों जैसे छात्रों, शिक्षकों और आम जनता के लिए कुछ विशेष चुनी गई फिल्मों को दिखाया गया।**

छात्रों ने पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर आधारित चित्रकारी/ **पेंटिंग प्रतियोगिता और स्पॉट क्विज प्रतियोगिता में भी भाग लिया। उत्तरकाशी के प्रतिष्ठित मीडिया** विशेषज्ञों **ने भी मीडिया के एक सेमिनार में भाग लिया, ताकि**
और खासतौर पर पर्यावरण में जलवायु परिवर्तन पर उनके रिपोर्टों **पर चर्चा की जा सके।**

यह महोत्सव कल उत्तरकाशी शहर के विभिन्न स्थानों,जैसे, कलक्ट्रेट सभागार, जीपीजी कॉलेज, केन्द्रीय विद्यालय, नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग और आईटीबीपी में पर्यावरण और वन्यजीव मुद्दों पर नामांकित / पुरस्कृत फिल्मों की स्क्रीनिंग के साथ जारी रहेगा। प्रख्यात फिल्म निर्माता श्री अनूप खजुरिया द्वारा "ग्रीन फिल्म मेकिंग" पर कार्यशाला के साथ-साथ बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम में डीडी गंगोत्री नेशनल पार्क श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी तीर्थपाल सिंह, सीएमएस वातावरण डीजी डॉ वसंती राव, सीनियर मैनेजर आनन्द झा, समन्वयक सिक्योर हिमालय उमेद सिंह धाकड़, रिलांयस फाउंडेशन से कमलेश गरूरनी सहित स्कूली बच्चें व अन्य लोग उपस्थित थें।

ग्लोबल इन्भाइरमेंट फैसिलिटी (जीइएॅफ़) के समर्थन के साथ भारत सरकार और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) उच्च ऊंचाई वाले हिमालय परिच्छेत्र में स्थानीय स्तर पर समुदायों के जीवन और आजीविका को बढ़ाते हुए, उच्च हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र में स्थानीय और विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण जैव विविधता, भूमि और वन संसाधनों के संरक्षण को सुनिश्चित करना के लिए एक कार्यक्रम को लागू कर रहे हैं, जिसका नाम है "सिक्योर हिमालय" - सिक्योरिंग लाभलीहुड, कंजर्वेशन, सस्टेनेबल यूज एंड रेस्टोरेशन ऑफ़ हाई रेंज हिमालयन इको सिस्टम (आजीविका, संरक्षण, स्थायी उपयोग और उच्च श्रेणी के हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र की पुनर्स्थापना)"

सीएमएस वातावरण भारत का एक महत्वपूर्ण पर्यावरण एवं वन्यजीव फिल्म महोत्सव और संगोष्ठी मंच है - इसका उद्देश्य प्राकृतिक दुनिया के प्रति दृष्टिकोण में समझ, प्रशंसा और बदलाव को बढ़ाने तथा जनसंचार माध्यमों में पर्यावरण के मुद्दों को और महत्वपूर्ण बनाने हेतु एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता एवं विमर्श की रूपरेखा को तैयार करना है। यह कार्यक्रम हर जगह दर्शकों को इस महत्वपूर्ण विषय से एक फिल्म के आकर्षक कहानी या चरित्र की मदद से भावनात्मक रूप से जुड़ने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कार्यक्रम फिल्म निर्माताओं, नागरिक समाज समूहों, सरकारी संगठनों, पर्यावरणविदों, शोधकर्ताओं, संरक्षणवादियों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों और सभी उम्र के छात्रों सहित सभी क्षेत्रों के लोगों तक पहुंचता है और इसे फिल्म निर्माताओं, पर्यावरण, वन्यजीव और संरक्षण क्षेत्र में काम करने वालों द्वारा देश के एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में मान्यता दी जाती है। प्रतिस्पर्धी एवं यात्रा फिल्म समारोहों और पर्यावरण संगोष्ठियों के आयोजन के अपने अद्वितीय द्वी स्तरीय कार्यक्रम दृष्टिकोण ने इसे दुनिया भर में सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक के रूप में प्रसिद्ध किया है। 2002 में अपनी स्थापना के बाद से अबतक इसने 25 भारतीय राज्यों के 41 शहरों में दस प्रतिस्पर्धी और 52 यात्रा-फिल्मोत्सव आयोजित किए हैं। वेबसाइट: *www.cmsvatavaran.org*

अधिक जानकारी के लिए नीति सिन्हां से सपंर्क करें__91-9582254613 or nitisinha@cmsindia.org